राज्यपाल ने किया विश्व शांति भवन का उद्घाटन

विश्व शान्ति भवन बनेगा विश्व में शांति का वाहक - राम नाईक
शांति की शक्ति से भारत बनेगा विश्व गुरु - राम नाईक
चरित्रवान ही कर सकता है चरित्र निर्माण - राम नाईक
कालीन के साथ अब शांति होगी भदोही की पहचान

भदोही, यूपी। उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री राम नाईक ने कहा कि मैं मानता हूँ कि यह विश्व शान्ति भवन विश्व में शांति का वाहक बनेगा। सुख-शांति के लिए चरित्रवान होना आवश्यक है। हम चरित्रवान होंगे तभी दूसरों का चरित्र निर्माण कर सकेंगे। जो सुख व शांति का प्रतीक बनेगा। ऐसा ही कार्य विश्व के 137 देशों में ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय अपने सेवाकेंद्रों के माध्यम से कर रहा है। वे उत्तरप्रदेश के कालीन नगरी के नाम से विश्व विख्यात भदोही जिले में ब्र.कु.विजयलक्ष्मी के संचालन में ब्रह्माकुमारीज के नवनिर्मित - विश्व शान्ति भवन का लोकार्पण करने के बाद भवन के विशाल सभागार में आयोजित सेमिनार को सम्बोधित करते हुए बोल रहे थे।

उन्होंने भारतीय संस्कृति में शांति की परिभाषा बताते हुए कहा कि वसुद्यैव कुटुम्बकम वाले इस देश में स्थापित संस्थाओं द्वारा पूरी दुनिया में शांति का संदेश दिया जा रहा है। जिनका मन उदार है वही भारतीय सभ्यता व संस्कृति को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। ब्रह्माकुमारी आश्रम के भाई-बहनें प्रेरणा के प्रतीक हैं। मैं स्वयं को भाग्यशाली समझता हूँ कि आज भदोही कालीन नगरी में विश्व शांति भवन का उद्घाटन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

किस्मत चलते रहने से बदलती है

माननीय राज्यपाल ने कहा कि जीवन में जो भी करो अच्छा व सकारात्मक सोच से प्रेरित हो। बेहतर करने में ही जीवन की सार्थकता सिद्ध हो सकती है। शांति का वातावरण तैयार करने में ब्रह्माकुमारी संस्था का महत्वपूर्ण स्थान है। इस संस्था का प्रकाश पूरे विश्व में फैल रहा है। राज्यपाल ने कहा कि सोये रहने से, बैठे रहने से अथवा खड़े रहने से किस्मत नहीं बदलती। किस्मत हमेशा चलते रहने से बदलती है।

महिलाएं हो रही हैं जागरूक

महिला सशक्तिकरण की चर्चा करते हुए राज्यपाल ने ब्रह्माकुमारी बहनों की खुलकर तारीफ की और कहा कि उनके कार्य प्रेरणादायक हैं। इनमें से अधिकांश महिलाओं ने अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर विश्व शांति की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद महिलाओं की साक्षरता काफी कम थी, लेकिन आज परिस्थितियां बदली हैं। महिलाएं पुरुषों के साथ साक्षरता और अन्य क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। ईश्वरीय विश्व विद्यालय के संचालन में भी महिलाएं पुरुषों से कहीं आगे हैं। महिलाएं आईएएस, आईपीएस बन रहीं हैं। वे पायलट बनीं और अब सेना के युद्धक विमान को चलाने के लिए उन्हें लेने की तैयारी हो रही है। उन्होंने कहा कि संसद में महिलाओं को आरक्षण देने पर चर्चाएं चल रही हैं, लेकिन ऐसा दिन आने वाला है, जब वे अपनी मेहनत और लगन से मनचाहा मुकाम हासिल कर सकती है। महिलाओं के सशक्तिकरण का एक सार्थक रूप ब्रह्माकुमारी संस्था में देखने को मिल रहा है। बताया कि प्रदेश के 29 विश्व विद्यालयों के वे कुलाधिपति हैं। सभी में प्रत्येक वर्ष दीक्षांत समारोह मनाएं जाते हैं। वहां प्रमाण-पत्र और मेडल प्राप्त करने में बालिकाएं बालकों से पीछे नहीं हैं। हाल ही में

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के दीक्षांत समारोह में 77 प्रतिशत लड़कियों ने गोल्ड मेडल हासिल किया।

जहां प्रवेश करने से होती है सुख-शांति की अनुभूति

भदोही में निर्मित विश्व शान्ति भवन एक ऐसा दिव्य व मनोरम स्थल बन चुका है, जहां प्रवेश मात्र से ही असीम सुख व शांति की अनुभूति होती है। खास बात यह है कि इस भवन में मेडिटेशन हॉल, सेमिनार हॉल एवं ध्यान कक्ष का निर्माण किया गया है। जहां बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को आध्यात्मिक, नैतिक एवं मानवीय मूल्यों की शिक्षा, मेडिटेशन, राजयोग का प्रशिक्षण, तनाव मुक्त जीवन जीने की कला का प्रशिक्षण दिया जाता है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों विश्व शांति भवन अनेकानेक आत्माओं को परमात्मा का संदेश देने का सशक्त माध्यम बनेगा। क्योंकि इनका मुख्य उद्देश्य समाज के लोगों को तनाव मुक्त जीवन जीने की कला एवं शांति की गहन अनुभूति कराना है।

विश्व शांति भवन पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

माननीय राज्यपाल दिन के 11:15 मिनट पर विश्व शांति भवन पहुंचे जहां पर संस्था के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु.बृजमोहन, ब्र.कु.सुरेन्द्र, सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु.विजयलक्ष्मी, ब्र.कु.आरती, ब्र.कु.अमर हर्ष, ब्र.कु.ब्रजेश, पश्चिम नेपाल की संचालिका ब्र.कु.परणीता द्वारा गुलदस्ता भेंटकर, तिलक लगाकर, पुष्प वर्षा कर और पीएससी बैण्ड की धुन पर भव्य स्वागत किया गया। मुख्य द्वार से लेकर भवन तक दोनों ओर साफा पहने भाईयों ने माननीय राज्यपाल पर पुष्प वर्षा कर भाई-बहनें साफा पहनकर और पुष्प की थाल लेकर राज्यपाल के स्वागत के लिए खड़े थे। इससे पूर्व हेलीपैड पर उन्हें ब्र.कु.विजयलक्ष्मी, ब्र.कु.ब्रजेश, अमर प्रकाश हर्ष द्वारा उन्हें गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया गया। इसके पश्चात स्थानीय प्रशासन द्वारा उन्हें गॉड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया।

रिबन काटकर किया उद्घाटन

माननीय राज्यपाल विश्व शांति भवन पहुंचने पर सर्वप्रथम शिलापट का अनावरण किया मुख्य द्वार से प्रवेश कर उन्होंने वहां लगे शिव ध्वज फहराया, जिससे पुष्प वर्षा हुई। इसके बाद आगे बढ़ने पर मुख्य भवन के द्वारा पर बंधे रिबन काटकर भवन का उद्घाटन किया। इसके बाद सुरक्षा कर्मियों के बीच वे भवन के मुख्य सभागार में पहुंचे जहां उनका सम्बोधन होना था।

भवन का उद्देश्य सार्थक हो गया

संस्था के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु.बृजमोहन ने कहा कि जितनी मेहनत से यह भवन तैयार किया गया है, माननीय राज्यपाल जी के यहां पहुंचने से यह सार्थक हो गया। यह भवन सारी मानव जाति के सर्वांगीण विकाश के लिए बनाया गया है। ब्रह्माकुमारीज सारे विश्व में मानव और शांति के लिए कार्य कर रही है। हम सभी जानते हैं कि प्रगति हो, चाहे सामाजिक जीवन हो, चाहे पारिवारिक जीवन हो, शांति सभी के लिए आवश्यक होती है। हमारा देश आदिकाल से ही शांतिप्रिय देश रहा है। अब परिस्थितियां बदल गई है कि एक शांतिप्रिय देश को भी शांति कायम रखने के लिए हथियार रखने के लिए मजबूर होना पड़ता है। हमारी संस्था का यह मानना है कि हर व्यक्ति स्वयं में शांति को पक्का करे तो विश्व में स्वत: ही शांति आ जाएगी।

शांति हम सभी का लक्ष्य

वाराणसी सबजोन की क्षेत्रिए निदेशिका ब्र.कु.सुरेन्द्र ने सभी अतिथियों का अभिवादन करते हुए कहा कि आज

का दिन हम सभी के लिए हर्ष का अवसर है। यह भवन आप सभी के संकल्प से निर्मित होकर यह प्रेरणा लेकर उपस्थित हुआ है। इस भवन के द्वारा न सिर्फ भदोही में बल्कि पूरे विश्व में शांति के संदेश और वायब्रेशन चारो तरफ फैलेंगे और अनेकानेक आत्माएं इससे लाभन्वित होंगी। जब शांति ही हम सभी का लक्ष्य है तो इस भवन में बैठकर हमें यही प्रतिज्ञा करनी है कि हमारी जो भारतीय संस्कृति थी उसको हम फिर से उजागर करें।

हमारी प्रतिज्ञा ही गिफ्ट है

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.शिवानी ने कहा कि जो बच्चे का नाम होता है वही उसका भाग्य बनता है। परमात्मा के द्वारा हमें जो ज्ञान मिला है कि अब यह कलियुगी सृष्टि ज्यादा समय तक नहीं चल सकती तो कलियुग से सतयुग लाने के लिए इस विश्व में शांति लानी है। आज हम सभी विश्व शांति भवन के नामकरण पर इक्ठ्ठे हुए हैं। तो हमें पहले स्वयं यह प्रतिज्ञा करनी है कि विश्व में शांति लाने के लिए मैं क्या सकता हूँ। हमारी प्रतिज्ञा ही इस भवन के प्रति गिफ्ट है।

आध्यात्मिकता को जीवन का अंग बनाएं

सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु.विजयलक्ष्मी ने राज्यपाल का आभार प्रगट करते हुए कहा कि यह भवन निश्चय ही आप सभी के आशाओं को पूर्ण करने में सार्थक होगा। भदोही जो पहले से कारपेट सिटी के नाम से विश्व विख्यात है अब यह शांति स्थापन के लिए भी विश्व विख्यात होगा। इस विश्वव्यापी आध्यात्मिक संगठन की स्वछता, सौहार्द्रता, पवित्रता, सरलता, दिव्यता और निर्मल स्नेह जैसे विशेष गुण मानवीय जीवन के लिए प्रेरणा स्रोत है। यदि हम अपने संबंधों में मधुरता लाना चाहते हैं तो हमें अपने जीवन में आध्यात्मिकता को अपनाना होगा। उन्होंने माननीय राज्यपाल को भविष्य में होने वाली कार्यक्रमों की जानकारी दी और यह भी बताया कि पिछले 25 वर्षो से यह संस्था किस प्रकार ग्रामीण परिवेश में जाकर आम नागरिकों को जागरूक बनाने का कार्य कर रही है।

राज्यपाल का किया सम्मान

भवन के उद्घाटन के शुभ अवसर पर ब्र.कु.विजयलक्ष्मी, ब्र.कु.सुरेन्द्र, ब्र.कु.आरती, ब्र.कु.ब्रजेश ने माननीय राज्यपाल को परमात्मा का स्मृति चिन्ह और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

लोकार्पण समारोह को बच्चे के जन्मदिन समारोह में किया परिवर्तित

भदोही, यूपी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के भदोही में निर्मित विश्व शान्ति भवन के लोकार्पण के लिए उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री रामनाईक, संस्था के महासचिव इस अवसर पर संस्था के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु.बृजमोहन, अंतर्राष्ट्रीय राजयोग प्रशिक्षका ब्र.कु.शिवानी, क्षेत्रिए संचालिका ब्र.कु.सुरेन्द्र, भदोही सेवाकेंद्र की प्रभारी बहन ब्र.कु.विजयलक्ष्मी, ब्र.कु.ब्रजेश समेत हजारों ब्रह्माकुमार भाई-बहन, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, सीओ सहित अनेक प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में कालीन निर्यातक व बुनकर मौजुद थे। सभी ने विश्व शान्ति भवन के लोकार्पण समारोह को बच्चे के जन्मदिन के रूप में परिवर्तित करते हुए कहा कि आज बच्चे का नामाकरण है। आज से बच्चे का नाम विश्व शान्ति भवन है।